QP CODE: D1BHN2502	**(Pages: 2)**	**Reg. No**	**: .....**
		Name	**: .....**

First Semester FYUGP Degree (Regular) Examination November 2025

Ability Enhancement Courses (AEC 2)

HIN1FA102(2) : HINDI BHASHA MEIN SANCHAR AUR RACHANATMAK LEKHAN- BHAG 1

(For B.Sc. & BCA Programmes)

(Credits: 3)

Time: 1.5 Hours	**Maximum Marks: 50**

Section A

Answer the following questions. Each carries 2 marks (Ceiling: 16 marks)

1.	साक्षात्कार का क्या अर्थ है?	BL3	CO3, CO4
2.	दो कलाकार का मूलपाठ क्या है?	BL3	CO3, CO4
3.	रचनाकार राजेश जैन का परिचय दीजिए।	BL3	CO2, CO3
4.	बास कहानी का मूल प्रतिपाद्य क्या है?	BL2	CO3, CO4
5.	बास किसतरह की रचना है?	BL2	CO4
6.	ग्राम दृष्टि कविता का सामान्य परिचय दीजिए।	BL2	CO3, CO5
7.	क्रिया माने क्या है ?	BL2	CO2, CO4
8.	संज्ञा माने क्या है ?	BL2	CO3
9.	संवाद माने क्या है ?	BL2	CO4
10.	केशव मेरा मित्र है। - अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए।	BL2	CO2, CO5

Section B

Answer the following questions. Each carries 6 marks (Ceiling: 24 Marks)

11.	दो कलाकार में चित्रित व्यंग्य पर आलोचना कीजिए।	BL2	CO2, CO4
12.	भारत के संविधान में प्रस्तुत मौलिक अधिकार, मौलिक कर्तव्य का सामान्य परिचय दीजिए।	BL2	CO1, CO3
13.	उपग्रह में चित्रित स्वप्न लोक का परिचय दीजिए।	BL2	CO2, CO5

(PTO)

14.	मदिरा की वह नदी बहाती आती/ थके हुए जीवों को वह सस्नेह/ प्याला एक पिलाती। सुलाती उन्हें अंक पर अपने,/ दिखलाती फिर विस्मृति के वह अगणित मीठे सपने - व्याख्या कीजिए।	BL2	CO3, CO4
15.	वाक्य में क्रिया, कर्ता, कर्म को निरूपित कीजिए।	BL2	CO1, CO3
	Section C		
	Answer any one question. Each carries 10 marks (1 x 10 = 10 Marks)		
16.	उपभोक्तृ संस्कृति पर प्रकट व्यंग्य-निद्राखोर-में आधुनिक जीवन परिवेश के आधार पर निरूपित कीजिए।	BL2	CO2
17.	संक्षेपण कीजिए - . मन की एकाग्रता की समस्या सनातन है। आज के प्रौद्योगिकी युग में जहाँ भौतिक उन्नति की संभावनाएँ अपार हैं ऐसे में छात्र जब अध्ययन करने बैठता है, तब उसके मन को अनेक तरह के विचार घेरने लगते हैं। वह सोचता है इस अर्थ प्रधान युग में मुझे उत्कृष्ट पद प्राप्ति के लिए एकाग्र मन से पढ़कर परीक्षा में उच्चतम श्रेणी प्राप्त करना आवश्यक है। लेकिन वह जब पढ़ने बैठता है तो क्रिकेट, सिनेमा या मित्र-मण्डली की मौज-मस्ती के विचार में उसका मन भटकने लगता है। मन का यह विचलन बुद्धि की एकाग्रता भंग कर देता है। यह घबरा कर सोचता है, परीक्षा तिथि पास है, मन उद्विग्न है, कैसे अध्ययन करूँ? क्या करूँ? व्यर्थ के विचारचक्र से बुद्धि अस्थिर और मन चंचल बना रहता है। वह सोचता है यदि परीक्षा में अनुत्तीर्ण हो गया तो सब कुछ नष्ट हो जाएगा। पद, प्रतिष्ठा, वैभव कुछ नहीं मिलेगा, जीवन बोझ बन जाएगा, वह बार-बार हताशा से घिर जाता है। अनियंत्रित मन और एकाग्रहीनता उसे चिंताओं में डुबा देती है। अर्जुन की यह स्वीकारोक्ति कि 'चंचल मन का निग्रह वायु की गति रोकने के समान दुष्कर है उसे उचित प्रतीत होने लगता है।'	BL2	CO6
	CO : Course Outcome		
	BL : Bloom's Taxonomy Levels (1 – Remember, 2 – Understand, 3 – Apply, 4 – Analyse, 5 – Evaluate, 6 – Create)		